



12. केशव और श्यामा चिड़िया के अंडों को लेकर बहुत उत्सुक थे। क्या तुम्हें भी किसी नई चीज़, जगह या बात पर कौतूहल महसूस हुआ है? ऐसे किसी अनुभव का वर्णन करो और बताओ कि ऐसे में तुम्हारे मन में क्या-क्या सवाल उठे?

उत्तर:- जब मैं पाँच साल का था हम पहली बार हवाईजहाज से दिल्ली नानी से मिलने जानेवाले थे तभी मुझे कौतूहल महसूस हुआ था। दूर आसमान में रोज देखने की चाह रहती थी उसी हवाईजहाज से मैं सफ़र करनेवाला था। मेरे मन में कई प्रश्न उभरते थे जैसे इतने छोटे हवाईजहाज में सब कैसे बैठेंगे? हम सुरक्षित पहुँचेंगे या नहीं? या हवाईजहाज को थोड़ी देर आसमान में रोककर बाहर निकलकर तारे देख सकते हैं क्या?

- भाषा की बात

13. श्यामा माँ से बोली मैंने आपकी बातचीत सुन ली है।

ऊपर दिए उदाहरण में मैंने का प्रयोग 'श्यामा' के लिए और आपकी का प्रयोग 'माँ' के लिए हो रहा है। जब सर्वनाम का प्रयोग कहने वाले, सुनने वाले या किसी तीसरे के लिए हो, तो उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। नीचे दिए गए वाक्यों में तीनों प्रकार के पुरुषवाचक सर्वनामों के नीचे रेखा खींचो -
एक दिन दीपू और नीलु यमुना तट पर बैठे शाम की ठंडी हवा का आनंद ले रहे थे? तभी उन्होंने देखा कि एक लंबा आदमी लड़खड़ाता हुआ उनकी ओर चला आ रहा है। पास आकर उसने बड़े दयनीय स्वर में कहा "मैं भूख से मरा जा रहा हूँ? क्या आप मुझे कुछ खाने को दे सकते हैं?"

उत्तर:- एक दिन दीपू और नीलु यमुना तट पर बैठे शाम की ठंडी हवा का आनंद ले रहे थे?

तभी उन्होंने देखा कि एक लंबा आदमी लड़खड़ाता हुआ उनकी ओर चला आ रहा है पास आकरउसने बड़े दयनीय स्वर में कहा "मैं भूख से मरा जा रहा हूँ? क्या आप मुझे कुछ खाने को दे सकते हैं?"

उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम - मैं, मुझे

मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम - आप

अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम - उन्होंने, उनकी, उसने

14. तगड़े बच्चे

मसालेदार सब्जी

बड़ा अंडा

इसमें रेखांकित शब्द क्रमशः बच्चे, सब्जी और अंडा की विशेषता यानी गुण बता रहे हैं इसलिए ऐसे विशेषणों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं। इसमें व्यक्ति या वस्तु के अच्छे-बुरे हर तरह के गुण आते हैं। तुम चार गुणवाचक विशेषण लिखो और उनसे वाक्य बनाओ।

उत्तर:- सुंदर माला - नेहा के गले में सुंदर माला थी।

लाल गुलाब - पूजा के लिए लाल गुलाब का हार बना दो।

गरीब लड़की - लड़की ठंड से काँप रही थी।

दयालु सेठ - सोहन की मदद एक दयालु सेठ ने की।

15. नीचे कुछ प्रश्नवाचक वाक्य दिए गए हैं, उन्हें बिना प्रश्नवाचक वाक्य के रूप में बदलो -

1. अंडे कितने बड़े होंगे?
2. किस रंग के होंगे?
3. कितने होंगे?
4. क्या खाते होंगे?
5. उनमें से बच्चे किस तरह निकल आएँगे?
6. बच्चों के पर कैसे निकलेंगे?
7. घोंसला कैसा है?

उत्तर:- 1. अंडे बड़े होंगे।

2. उनका रंग बताओ।

3. अंडों की संख्या बताओ।

4. उनका खाना बताओ।

5. उनमें से बच्चे निकलेंगे।

6. बच्चों के पर निकलेंगे।

7. घोंसला के विषय में बताओ।

16. (क) केशव ने झुँझलाकर कहा...

(ख) केशव रोनी सूरत बनाकर बोला...

(ग) केशव घबराकर उठा..

(घ) केशव ने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर कहा...

(ङ) श्यामा ने गिड़गिड़ाकर कहा...

ऊपर लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखो। ये शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण का काम कर रहे हैं क्योंकि ये बताते हैं कि कहने, बोलने और उठने की क्रिया कैसे हुई। 'कर' वाले शब्दों के क्रियाविशेषण होने की एक पहचान यह भी है कि ये अक्सर क्रिया से ठीक पहले आते हैं। अब तुम भी इन पाँच क्रियाविशेषणों का क्योँ में प्रयोग करो।

उत्तर:- 1. झुँझलाकर - अमर ने गुस्से में खिलौने झुँझलाकर फेंक दिए।

2. बनाकर - माँ ने मुझे मोतीचूर के लड्डू बनाकर दिए।

3. घबराकर - राज अक्सर घबराकर झूठ बोल देता है।

4. टिकाकर - लड़के ने अपने ठेले को दीवार से टिकाकर रख दिया।

5. गिड़गिड़ाकर - मंदिर के एक भिखारी गिड़गिड़ाकर भीख माँग रहा था।

17. नीचे प्रेमचंद की कहानी 'सत्याग्रह' का एक अंश दिया गया है। तुम इसे पढ़ोगे तो पाओगे कि विराम चिह्नों के बिना यह अंश अधूरा-सा है। तुम आवश्यकता के अनुसार उचित जगहों पर विराम चिन्ह लगाओ -

उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया 11 बज चुके थे चारों तरफ सन्नाटा छा गया था पंडित जी ने बुलाया खोमचेवाले खोमचेवाला कहिए क्या दूँ भूख लग आई न अन्न-जल छोड़ना साधुओं का काम है हमारा आपका नहीं मोटेराम अबे क्या कहता है यहाँ क्या किसी साधू से कम हैं चाहें तो महीने पड़े रहें और भूख न लगे तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि ज़रा अपनी कुप्पी मुझे दे देखूँ तो वहाँ क्या रेंग रहा है मुझे भय होता है ।

उत्तर:- उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया 11 बज चुके थे, चारों तरफ सन्नाटा छा गया था। पंडित जी ने बुलाया-खोमचेवाले खोमचेवाला कहिए क्या दूँ? भूख लग आई न। अन्न-जल छोड़ना साधुओं का काम है; हमारा आपका नहीं। मोटेराम ! अबे क्या कह है? यहाँ क्या किसी साधू से कम हैं। चाहें तो महीने पड़े रहें और भूख न लगे। तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि जरा अपनी कुप्पी मुझे दे। देखूँ तो वहाँ क्या रेंग रहा है? मुझे भय होता है।

***** END *****